RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
13
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

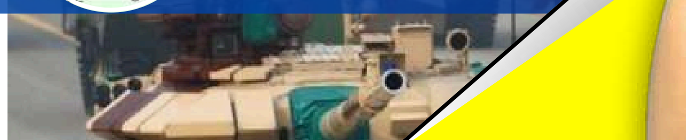

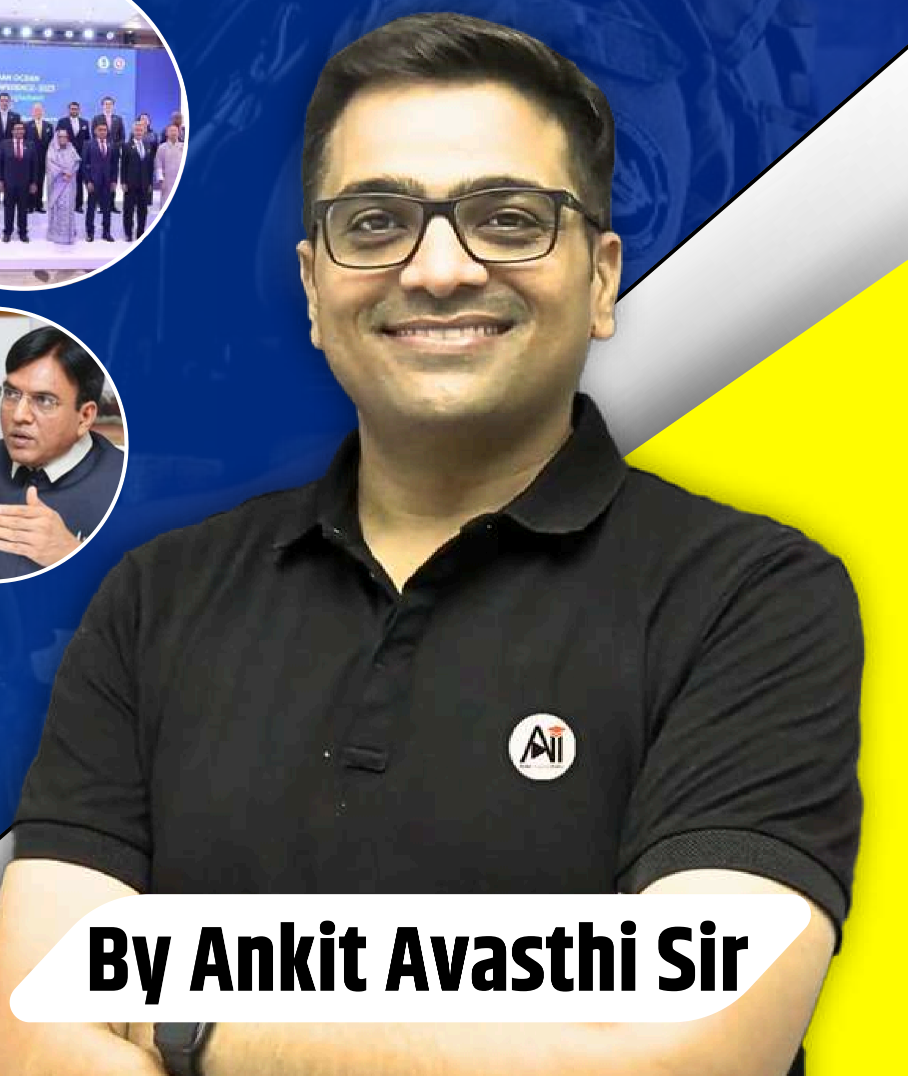

By Ankit Avasthi Sir

भारत-EU मुक्त व्यापार समझौता / India-EU Free Trade Agreement

संदर्भ:

विदेश मंत्री **डॉ. एस. जयशंकर** ने ब्रसेल्स में आयोजित **जर्मन मार्शल फंड (GMF) फोरम** को संबोधित करते हुए कहा कि **भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता** वर्ष **2025 के अंत तक** पूर्ण रूप से संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत, यूरोपीय संघ के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को अत्यंत उच्च प्राथमिकता देता है, और इन संबंधों का केन्द्रीय तत्व यही मुक्त व्यापार समझौता है, जिसकी वार्ताएँ तेजी से और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही हैं।

भारत-EU मुक्त व्यापार समझौता (FTA): प्रमुख तथ्य-

- **समझौते की समयसीमा तय:** भारत और यूरोपीय संघ ने 2025 के अंत तक FTA को अंतिम रूप देने का लक्ष्य तय किया है।
- **वार्ताओं की पुन: शुरुआत:** यह वार्ता 2007 में शुरू हुई थी, लेकिन 2017 में ब्रेग्ज़िट के कारण रुक गई थी। इसे 2022 में दोबारा शुरू किया गया।
- **सबसे बड़ा व्यापार समझौता:** यह FTA वैश्विक स्तर पर अपने प्रकार का सबसे बड़ा समझौता बनने जा रहा है।

व्यापारिक उद्देश्य:

- बाज़ार तक पहुंच में सुधार
- व्यापार बाधाओं को हटाना
- द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देना

वर्तमान व्यापार स्थिति (2023-24):

- वस्तुओं का व्यापार: **137.41 अरब USD**
- सेवाओं का व्यापार: **51.45 अरब USD**

मुख्य वार्ता क्षेत्र:

- निवेश संरक्षण समझौता (Investment Protection Agreement)
- भौगोलिक संकेत (Geographical Indications - GI)
- ये दोनों FTA के पूरक होंगे और एक व्यापक आर्थिक सहयोग ढांचा तैयार करेंगे।

रणनीतिक महत्त्व:

- भारत और EU दोनों ही अमेरिका से संभावित अधिक आयात शुल्क के दौर से गुजर रहे हैं।
- यह साझेदारी बाजार विविधीकरण और निर्भरता घटाने में सहायक होगी।

वृहद सहयोग क्षेत्र:

- अर्धचालक , कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)
- 6G टेक्नोलॉजी
- हरित हाइड्रोजन
- भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर

आर्थिक और भू-राजनीतिक संदर्भ: वैश्विक परिदृश्य में बदलाव के बीच यह FTA रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक लचीलापन बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है।

भारत के लिए लाभ:

1. **बढ़ता बाज़ार पहुँच (Market Access):** टेक्सटाइल, परिधान, चाय, मसाले जैसे उत्पादों पर टैरिफ में कमी से EU बाज़ार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।
2. **महत्वपूर्ण क्षेत्रों को बढ़ावा:**
   - **फार्मा:** जेनेरिक दवाओं को आसानी से मंजूरी और बाज़ार तक पहुँच।
   - **आईटी और सेवाएँ:** पेशेवरों की आवाजाही और व्यापार नियमों में राहत।
   - **कृषि और प्रोसेस्ड फूड:** कम शुल्क, कम नियम।
3. **FDI को प्रोत्साहन:** EU भारत में बड़ा निवेशक है। FTA से निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ेगा।
4. **बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) मजबूत:** तकनीक ट्रांसफर और नवाचार को बढ़ावा।
5. **रोजगार सृजन और आर्थिक विकास:**
   - **निर्यात और निवेश बढ़ने से लाखों नौकरियाँ** विशेष रूप से **टेक्सटाइल, आईटी और निर्माण** क्षेत्रों में मिलेंगी।
   - **GDP वृद्धि** और वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

EU के लिए लाभ:

1. **भारत जैसे बड़े उपभोक्ता बाज़ार तक पहुँच:**
   - **1.4 अरब की जनसंख्या** EU ब्रांड्स के लिए बड़ी संभावना।
   - ऑटोमोबाइल, मशीनरी, लक्जरी वस्तुओं की बिक्री में वृद्धि।
2. **बेहतर निवेश माहौल:**
   - **निवेश सुरक्षा और पारदर्शिता** बढ़ेगी।
   - **डिजिटल अर्थव्यवस्था में अवसर:** फिनटेक, एआई, टेलिकॉम के लिए नई संभावनाएँ।
3. **सप्लाई चेन विविधीकरण: चीन पर निर्भरता घटाकर भारत से आपूर्ति**, EU की रणनीति से मेल।

बाल श्रम / Child labour

संदर्भ:

हर वर्ष **12 जून** को **बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस (World Day Against Child Labour - WDACL)** मनाया जाता है। इस दिन का नेतृत्व **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)** करता है, जिसका उद्देश्य बाल श्रम की समस्या के प्रति वैश्विक जागरूकता फैलाना और इसके उन्मूलन के प्रयासों को सशक्त करना है।

बाल श्रम: एक वैश्विक संकट

- **बाल श्रम** आज भी दुनिया भर में फैला हुआ है, जिससे लाखों बच्चे अपना बचपन, सम्मान से जीने का अधिकार और संभावनाओं को पूरा करने का अवसर खो देते हैं।
- **अनुमानित 16 करोड़ बच्चे** (हर 10 में से 1) बाल श्रम में लगे हुए हैं।
- **अफ्रीका, एशिया और प्रशांत क्षेत्र** मिलकर दुनिया के **90%** से अधिक बाल श्रम मामलों के लिए जिम्मेदार हैं।
- **COVID-19 महामारी** ने स्थिति को और खराब कर दिया –
  - **स्कूल बंद हुए,**
  - **अभिभावकों की नौकरी या आमदनी चली गई,**
  - जिससे बच्चों को **स्कूल छोड़कर काम करने के लिए मजबूर** होना पड़ा।
- कई बच्चे अब तक स्कूल नहीं लौट सके, जिससे शिक्षा और बचपन दोनों से वंचित हो गए हैं।

भारत में बाल श्रम की स्थिति:

वर्तमान स्थिति (जनगणना 2011 के अनुसार): भारत में **5 से 14 वर्ष** की आयु के **लगभग 43.53 लाख बच्चे** बाल श्रम में लगे हुए हैं।

प्रमुख कारण:

- गरीबी (Poverty)
- शिक्षा और संसाधनों की कमी (Lack of access to education & resources)
- अशिक्षा (Illiteracy)

बाल श्रम किन क्षेत्रों में आम है:

- बीड़ी फैक्ट्रियाँ (Beedi factories)
- कालीन बुनाई इकाइयाँ (Carpet-weaving units)
- पटाखा उद्योग (Firework industries)

भारत सरकार द्वारा बाल श्रम रोकने के लिए उठाए गए कदम:

कानूनी ढांचे को मजबूत करना:

- **बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016** लागू किया गया।
- 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के किसी भी रोजगार में कार्य करने पर **पूर्ण प्रतिबंध**।
- 14-18 वर्ष के किशोरों को **खतरनाक व्यवसायों** में काम करने से रोका गया है।

राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (NCLP):

- 1988 में शुरू की गई एक **केंद्रीय प्रायोजित योजना**।
- उद्देश्य: बाल श्रमिकों की **पहचान, बचाव और पुनर्वास**।
- विशेष प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से उन्हें शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक परामर्श उपलब्ध कराया जाता है।

शिक्षा और कल्याण योजनाओं के साथ एकीकरण:

- **मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE), 2009**: सभी 6-14 वर्ष के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार।
- **मिड-डे मील योजना**: स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति और पोषण स्तर बढ़ाने में सहायक।
- **समग्र शिक्षा अभियान**: स्कूली बुनियादी ढांचे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रवृत्तियों के ज़रिए कमजोर वर्गों के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना।

बाल श्रम उन्मूलन में प्रमुख चुनौतियाँ

अल्पकालिक प्रभाव (Short-term Impact): कई अभियान प्रारंभिक रूप से सफल होते हैं, लेकिन उनके परिणाम लंबे समय तक टिक नहीं पाते।

बच्चों के दोबारा काम पर लौटने के कारण:

- परिवार की आर्थिक मजबूरी
- बचाव के बाद उचित सहायता का अभाव
- पुनर्वास व्यवस्था में कमी

ब्लू NDC चैलेंज / Blue NDC Challenge

संदर्भ:

फ्रांस के नीस शहर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (UNOC3) के दौरान **ब्राज़ील और फ्रांस** ने मिलकर **"ब्लू एनडीसी चैलेंज"** की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (UNFCCC COP30) से पहले राष्ट्रीय जलवायु रणनीतियों में समुद्र आधारित समाधान को सम्मिलित करना है।

Blue NDC Challenge: महासागर-केंद्रित जलवायु पहल-

उद्देश्य: देशों से आग्रह किया गया है कि वे अपनी जलवायु योजनाओं यानी **Nationally Determined Contributions (NDCs)** में **महासागर-केंद्रित कार्यों** को शामिल करें।

प्रमुख लक्ष्य:

- **COP30 (2025)** से पहले महासागर-आधारित जलवायु कार्रवाई को **तेजी से बढ़ावा देना**।
- UNFCCC (United Nations Framework Convention on Climate Change) के तहत वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं को महासागर-संवेदनशील बनाना।

महत्व:

- महासागर **कार्बन अवशोषण**, **जलवायु संतुलन**, और **प्राकृतिक आपदा से बचाव** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- NDCs में महासागरों को शामिल करना, जलवायु नीति को **समग्र और प्रभावी** बनाता है।

समर्थनकर्ता संगठन:

- **Ocean Conservancy**
- **Ocean & Climate Platform**
- **World Resources Institute** (Ocean Resilience and Climate Alliance – ORCA के माध्यम से)
- **WWF-Brazil**

जलवायु कार्रवाई में महासागरों की भूमिका-

कार्बन अवशोषण (Carbon Sequestration):

- महासागर वैश्विक CO_2 उत्सर्जन का 25% से अधिक अवशोषित करते हैं।
- मानव गतिविधियों से उत्पन्न 90% अतिरिक्त ऊष्मा को भी महासागर ही सोखते हैं।
- यह उन्हें जलवायु परिवर्तन की रोकथाम में एक प्रमुख प्राकृतिक ढाल बनाता है।

ब्लू कार्बन इकोसिस्टम:

- तटीय पारिस्थितिकी तंत्र जैसे **मैन्ग्रोव, सीग्रास और सॉल्ट मार्श**:
  - भूमि आधारित वनों की तुलना में **5 गुना अधिक दर** से कार्बन संग्रह करते हैं।
  - इनकी रक्षा से दीर्घकालिक कार्बन भंडारण संभव होता है।

जैव विविधता का संरक्षण:

- महासागर **असंख्य समुद्री प्रजातियों का घर** हैं।
- समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा, पारिस्थितिक तंत्र की **लचीलापन (resilience)** बनाए रखने में मदद करती है।
- जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु झटकों से पारिस्थितिक तंत्र को संभालने में आवश्यक है।

आजीविका और खाद्य सुरक्षा:

- विश्वभर में **3 अरब से अधिक लोग** समुद्री संसाधनों पर अपनी **खाद्य आपूर्ति, रोजगार और आजीविका** के लिए निर्भर हैं।
- महासागरों की रक्षा करना वैश्विक **आर्थिक स्थिरता और खाद्य सुरक्षा** से जुड़ा हुआ है।

Blue NDC Challenge: प्रमुख विशेषताएं-

महासागर-संवेशित NDCs: देशों को प्रोत्साहित किया गया है कि वे अपने राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं (NDCs) में समुद्री पारिस्थितिक तंत्र, मैन्ग्रोव, और तटीय क्षेत्रों को शामिल करें।

सतत ब्लू अर्थव्यवस्था: जलवायु-लचीली मछलीपालन, समुद्री अक्षय ऊर्जा (जैसे वेव, विंड, टाइडल), और कार्बन-स्मार्ट जलीय कृषि (Aquaculture) को बढ़ावा देना।

अपतटीय जीवाश्म ईंधन पर चरणबद्ध रोक: विशेष रूप से संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में तेल और गैस की अपतटीय खोज को धीरे-धीरे बंद करने का आग्रह।

पुनर्स्थापन और संरक्षण (Restoration & Conservation):

- **मैन्ग्रोव, कोरल रीफ**, और **सॉल्ट मार्श** जैसे पारिस्थितिक तंत्रों की बहाली और संरक्षण पर जोर।
- इससे **कार्बन अवशोषण** बढ़ेगा और **तटीय सुरक्षा** मजबूत होगी।

वैश्विक साझेदारी और समर्थन:

- इस पहल को समर्थन देने वाले प्रमुख संगठन:
  - **Global Mangrove Alliance**
  - **UN High-Level Climate Champions**
  - **World Resources Institute (WRI)**

भारत का सामाजिक सुरक्षा कवरेज 10 वर्षों में 64% बढ़ा / India's Social Security Coverage Increased By 64% In 10 Years

संदर्भ:

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में **सामाजिक सुरक्षा कवरेज (Social Security Coverage)** वर्ष **2015 में 19% से बढ़कर 2025 में 64.3%** हो गई है। वर्तमान में **94 करोड़ से अधिक नागरिकों** को कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त हो रहा है। **लाभार्थियों की संख्या के लिहाज़ से भारत वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान** पर है, जो इस क्षेत्र में **भारत की उल्लेखनीय प्रगति** को दर्शाता है।

प्रमुख निष्कर्ष (Key Findings)

वैश्विक रैंकिंग:

- भारत अब **दुनिया में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में दूसरा सबसे बड़ा देश** बन गया है।
- **94 करोड़ (950 मिलियन)** से अधिक लोग कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत कवर किए गए हैं।

दो में से एक व्यक्ति को लाभ:

- भारत में अब लगभग **हर तीन में से दो व्यक्ति** किसी-न-किसी सामाजिक सुरक्षा लाभ के दायरे में हैं।

वैश्विक डेटा अपडेट में अग्रणी:

- भारत पहला देश है जिसने **2025 की सामाजिक सुरक्षा कवरेज रिपोर्ट** को **ILO के ILOSTAT डेटाबेस** में अपडेट किया।
- यह भारत की **डिजिटल गवर्नेंस** और **कल्याण प्रणाली में पारदर्शिता** को दर्शाता है।

सामाजिक सुरक्षा क्या है?

- **सामाजिक सुरक्षा** समाज द्वारा व्यक्तियों और परिवारों को दी जाने वाली **संरक्षा व्यवस्था** है, जो उन्हें **स्वास्थ्य सेवा, आय सुरक्षा** और **जीवन की अनिश्चितताओं** (जैसे वृद्धावस्था, बेरोज़गारी, बीमारी, मातृत्व, विकलांगता आदि) से सुरक्षा देती है।

भारत की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाएं:

- **PM श्रम योगी मान-धन योजना (PM-SYM):** असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों (जैसे ठेलेवाले, रिक्शाचालक, निर्माण श्रमिक) को वृद्धावस्था में मासिक पेंशन की सुविधा।
- **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY):** कम प्रीमियम पर जीवन बीमा प्रदान करने वाली योजना।
- **अटल पेंशन योजना (APY):** असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को **गारंटीड पेंशन** प्रदान करने हेतु योजना।
- **आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY):** समाज के गरीब और कमजोर वर्गों के लिए **स्वास्थ्य बीमा कवरेज** प्रदान करती है।
- **सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) / राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA):** सब्सिडी वाले अनाज के माध्यम से **भोजन और पोषण सुरक्षा** सुनिश्चित करना।
- **प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण (PMAY-G):** ग्रामीण गरीबों को **पक्का मकान** और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना।
- **जननी सुरक्षा योजना:** गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए वित्तीय सहायता।
- **प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (PM POSHAN):** बच्चों को स्कूल में **मिड-डे मील** के माध्यम से पोषण प्रदान करना।
- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN):** किसानों को प्रतिवर्ष ₹6,000 की प्रत्यक्ष नकद सहायता।
- **मनरेगा (MGNREGA):** ग्रामीण क्षेत्र में न्यूनतम 100 दिन की **गारंटीशुदा मजदूरी आधारित रोज़गार**।

अभ्यास 'खान क्वेस्ट' / Exercise 'Khaan Quest'

संदर्भ:

भारतीय सेना की टुकड़ी **उलानबातर, मंगोलिया** पहुँची है, जहां वह **बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'खान क्वेस्ट' (Exercise Khaan Quest)** में भाग लेगी। यह अभ्यास **अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग, संयुक्त संचालन क्षमता और वैश्विक शांति प्रयासों को सशक्त** करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

अभ्यास 'Khaan Quest': शांति रक्षा के लिए वैश्विक सहयोग

- **शुरुआत और विकास:**
  - 2003 में **अमेरिका और मंगोलिया की सशस्त्र सेनाओं** के बीच एक **द्विपक्षीय अभ्यास** के रूप में शुरू हुआ।
  - 2006 से यह एक **बहुराष्ट्रीय शांति रक्षा अभ्यास** में विकसित हो गया।
- **वार्षिक बहुराष्ट्रीय अभ्यास:**
  - यह अभ्यास हर वर्ष आयोजित होता है, जिसमें **दुनिया भर की सेनाएं** हिस्सा लेती हैं।
  - उद्देश्य: **संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों में सैन्य सहयोग और क्षमता** को बढ़ाना।
- **संयुक्त अभियान की तैयारी:**
  - भाग लेने वाले देश **रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं** में अपने **सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों (Best Practices)** को साझा करते हैं।
  - इससे **संयुक्त अभियानों के संचालन** में कुशलता आती है।
- **भारत के लिए महत्व:**
  - भारतीय सशस्त्र बलों को **बहुराष्ट्रीय सेटिंग में शांति रक्षा अभियानों** की तैयारी में मदद करता है।
  - यह **Chapter VII of the United Nations Charter** के तहत **Peace Support Operations** में **इंटरऑपरेबिलिटी और सैन्य तत्परता** को बढ़ाता है।

Hortoki–Sairang लाइन

संदर्भ:

रेलवे सुरक्षा आयोग (CRS) ने **होर्टोकी–सैरांग रेलखंड** को मंज़ूरी प्रदान कर दी है। यह स्वीकृति इस रेलवे लाइन की **सुरक्षा मानकों के अनुरूपता** को प्रमाणित करती है और इसके **व्यवसायिक संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम** है।

Hortoki–Sairang लाइन: मिज़ोरम को पहली बार राजधानी रेल संपर्क:

- **परियोजना का भाग:**
  - यह मिज़ोरम की **Bairabi–Sairang रेलवे परियोजना** का **अंतिम चरण** है।
- **लंबाई और मार्ग:**
  - कुल लंबाई: **33.86 किलोमीटर**।
  - यह **Hortoki** से शुरू होकर **Sairang** तक जाती है, जो **आइज़ोल से लगभग 20 किमी** दूर एक सैटेलाइट टाउन है।
- **भू-भौगोलिक विशेषताएं:**
  - यह पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है।
  - इसमें शामिल हैं:
    - **32 सुरंगें (Tunnels)**
    - **35 प्रमुख पुल (Major Bridges)**

- **अब तक की स्थिति:**
  - मिज़ोरम में अब तक केवल **Bairabi (Kolasib ज़िला)** रेलमार्ग से जुड़ा था, जो **असम की सीमा के पास** स्थित है।
  - अब इस नई लाइन से **राजधानी आइज़ोल पहली बार रेलवे से जुड़ जाएगी।**

लूखानखुलू मंगोलिएन्सिस / Khankhuuluu mongoliensis

संदर्भ:

वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि **खानखुलू मंगोलिएन्सिस (Khankhuuluu mongoliensis)** – जिसे **"ड्रैगन प्रिंस"** की उपाधि दी गई है – लगभग **8.6 करोड़ वर्ष पहले** पृथ्वी पर जीवित था, जो कि **टी. रेक्स (Tyrannosaurus rex)** से लगभग **2 करोड़ वर्ष पहले** का कालखंड है। यह खोज **मंगोलिया** से मिली है।

Khankhuuluu Mongoliensis:

- **कालखंड:**
  - यह **86 मिलियन वर्ष पहले** पृथ्वी पर रहा करता था, **क्रिटेशियस युग** (Cretaceous Period) में।
- **खोज का स्थान और समय:**
  - **मंगोलिया के गोबी मरुस्थल** में इसके जीवाश्म **1970 के दशक** में मिले थे।
  - लेकिन यह कि यह एक **नई और अलग प्रजाति** है, यह **हाल ही में उन्नत विश्लेषण** और **पुनर्मूल्यांकन** के बाद प्रमाणित हुआ।
- **आकार और वजन:**
  - लंबाई: **लगभग 4 मीटर**
  - वजन: **करीब 750 किलोग्राम** (यानी एक घोड़े के बराबर)
  - **Tyrannosaurus rex** की तुलना में यह **2–3 गुना छोटा** था।
- **शारीरिक विशेषताएं:**
  - **लंबी और सपाट खोपड़ी**
  - **छोटे और अविकसित सींग (rudimentary horns)**
  - **हल्का और चुस्त शरीर**, जिससे यह अधिक **तेजी से दौड़ने वाला शिकारी** बन गया था।

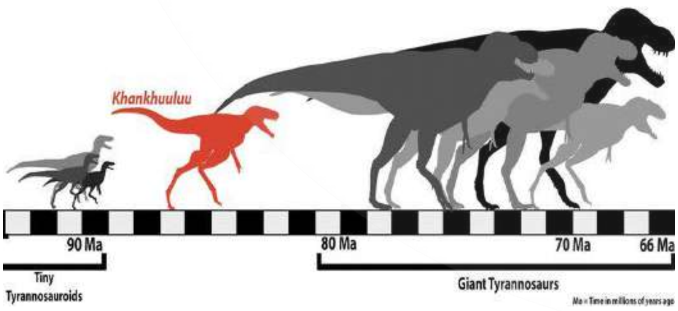

- **शिकार की शैली:**
  - यह एक **mesopredator** था, यानी **मध्यम श्रेणी का शिकारी**।
  - **T. rex** जैसे भारी और हड्डी तोड़ने वाले शिकारी के विपरीत, Khankhuuluu **गति और फुर्ती** के बल पर **छोटे शिकार** करता था।

माल्टा (Malta's) की गोल्डन पासपोर्ट योजना

संदर्भ:

यूरोपीय न्यायालय (European Court of Justice) ने निर्णय सुनाया है कि माल्टा अब अपने 'गोल्डन पासपोर्ट' योजना के तहत नागरिकता नहीं बेच सकता, क्योंकि यह यूरोपीय संघ के कानूनों के विरुद्ध है। इस फैसले को नागरिकता की व्यावसायिक बिक्री पर रोक लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

Malta's Individual Investor Programme (IIP): "Golden Passport" योजना-

शुरुआत:

- लॉन्च वर्ष: **2014**
- उद्देश्य: **धनाढ्य विदेशियों** को **नागरिकता** प्रदान कराना, जो Malta के ज़रिए **EU की नागरिकता** प्राप्त कर सकते थे।

पात्रता के लिए आवश्यकताएं:

- **€600,000–€750,000 का योगदान** Malta के **राष्ट्रीय विकास कोष** (National Development Fund) में।
- Malta में **रियल एस्टेट खरीद या किराये पर लेना**।
- **€10,000 का दान** किसी पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन (NGO) को।

निवेशकों की प्रोफ़ाइल:

- मुख्य रूप से **रूस, चीन, मध्य पूर्व** सहित कई देशों के नागरिक।
- इनमें **राजनीतिक रूप से चर्चित व्यक्ति (PEPs)** और **सेलिब्रिटी** भी शामिल थे।

विवाद और आलोचना के कारण:

- **सुरक्षा संबंधी चिंताएं:**
  - योजना के तहत मिली नागरिकता से **Schengen क्षेत्र में वीज़ा-मुक्त प्रवेश** की सुविधा मिलती थी।
  - इससे **धन शोधन (Money Laundering)** और **अपराध नेटवर्क की घुसपैठ** की आशंका बढ़ी।
- **पारदर्शिता की कमी:** कई सफल आवेदकों के नाम **सार्वजनिक नहीं किए गए**, जिससे **जवाबदेही और निगरानी** पर प्रश्न उठे।

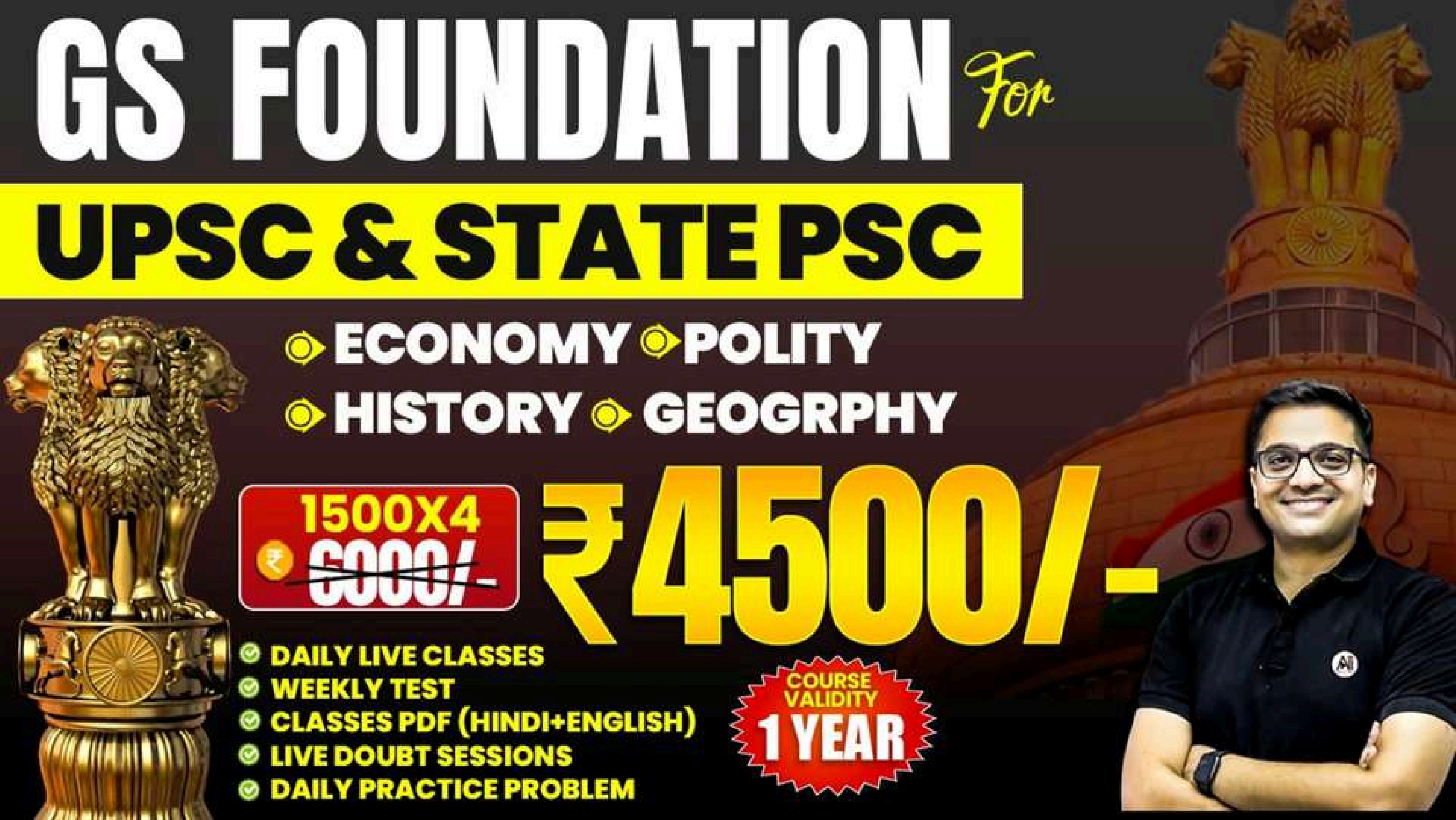
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

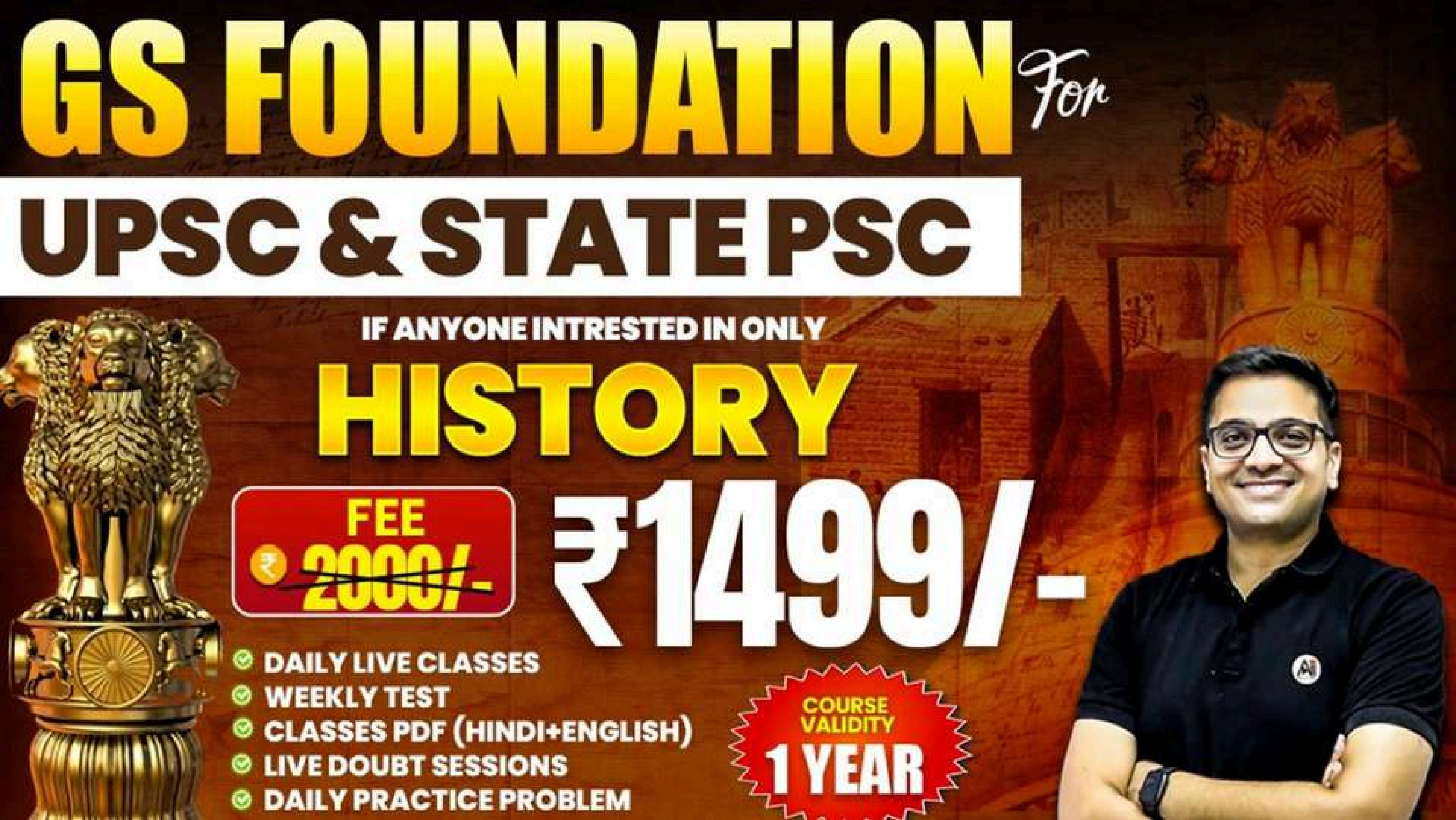
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/- Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान
प्राचीन तथा मध्यकालीन
आधुनिक भारत
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

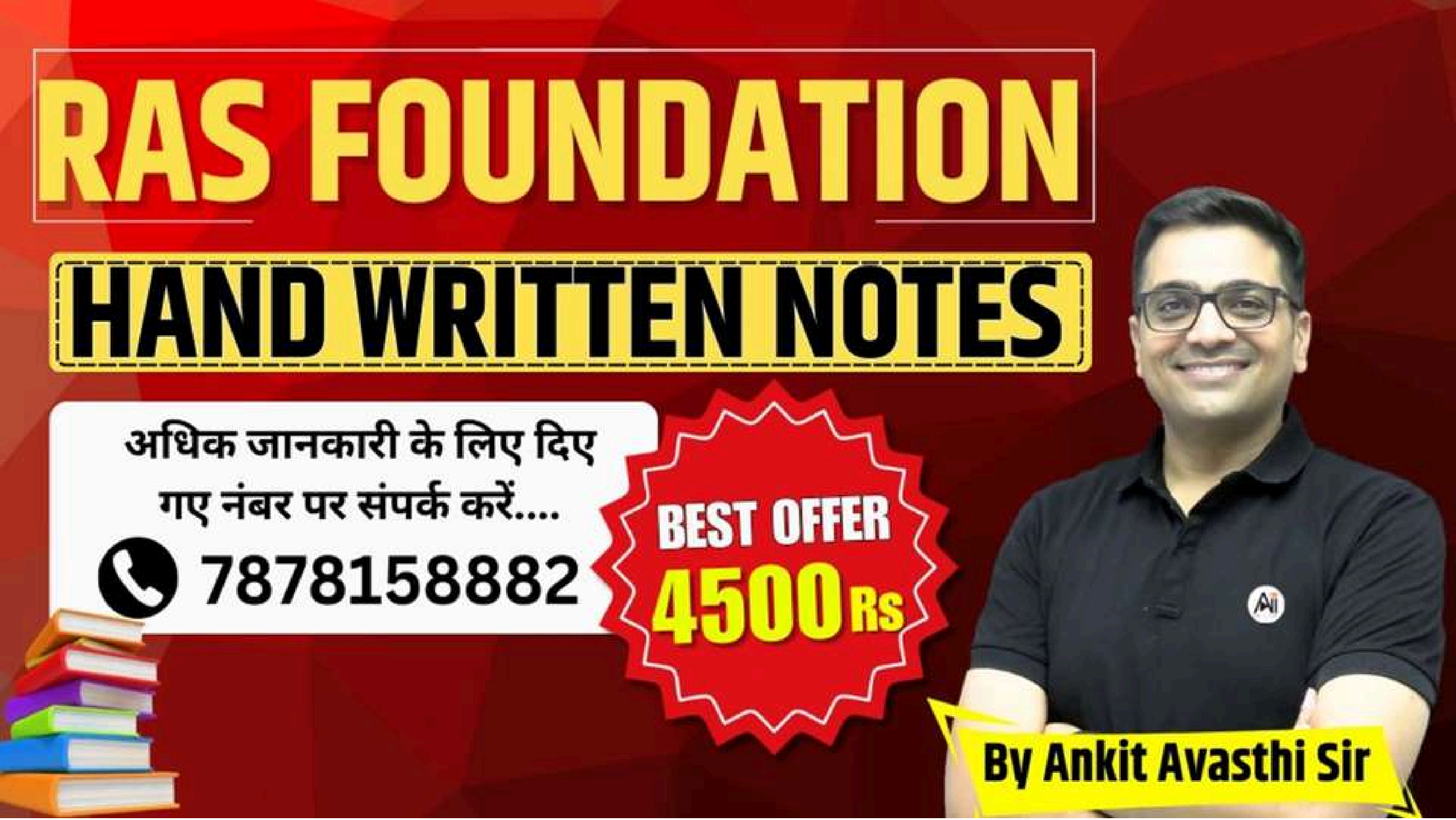
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

APNI PATHSHALA

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala
Avasthiankit
AnkitAvasthiSir
kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL CENTRE

HOW MAY I HELP YOU

7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: